वार्षिक पाठ्यक्रम: 2023-24

कक्षा – 7

विषय – हिंदी

क्र. सं.	(वसंत भाग 2) पाठ संख्या और नाम	विधा/ विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
1	**पाठ. 1** **हम पंक्षी उन्मुक्त गगन के** (शिवमंगल सिंह सुमन)	**कविता/ स्वतंत्रता** पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता की पीड़ा को समझाने का प्रयास	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** विशेषण: पहचान **का. सं. 39A** **कक्षा 6** विशेषण: प्रयोग **का. सं. 9** **कक्षा 7** विशेषण: भेद **का. सं. 13** पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिंदु- द्वंद्व समास पशु/पक्षी/पर्यावरण पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश / पद्यांश का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/ निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास	● कविता विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, ● प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, ● विभिन्न चिड़िया के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, ● पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, ● पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता की पीड़ा को समझने का प्रयत्न करेंगे, ● परतंत्र भारत के निवासियों की पीड़ा और ब्रिटिश गुलामी से स्वतंत्रता की उत्कट अभिलाषा	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● बच्चे विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का	● कार्यपत्रक सं. 7-8 ● पशु/पक्षियों को पिंजरे में रखने के औचित्य पर वाद-विवाद। ● स्वतन्त्रता के महत्त्व पर अनुच्छेद लेखन।

				को जान सकेंगे, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे	प्रयोग करते हैं, जैसे विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।	
2	**पाठ. 4** **कठपुतली** (भवानी प्रसाद मिश्र)	**कविता/ स्वतंत्रता** कठपुतलियों के माध्यम से स्वतंत्रता की इच्छा को दर्शाने वाली कविता	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** सर्वनाम: पहचान **का. सं. 10** **कक्षा 6** सर्वनाम: प्रयोग **का. सं. 7** **कक्षा 7** ● सर्वनाम के भेद ये, मेरे, इन्हें,मुझे,हमेंआदि का सर्वनाम के भेदों के अनुसार वर्गीकरण **का. सं. 25, 27** ● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे- काठ और पुतली मिलकर कठपुतली बनते हैं। इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण	● कविता विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, ● गुलामी/ परतंत्रता की पीड़ा को समझ सकेंगे, ● स्वतंत्रता/ आज़ादी के महत्त्व को समझ पाएँगे, ● क्षेत्रीय और पारंपरिक खेलों, मनोरंजन के साधनों और गतिविधियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। ● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके और एकता/सामूहिकता पर बातचीत करना। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं अभ्यास प्रश्न हल करने में	● कार्यपत्रक सं. 14-15 ● पुराने कपड़े / अखबार/ बेकार वस्तुओं से गुड़िया बनाना। ● व्यावसायिक शिक्षण से जोड़ते हुए कठपुतली बनाना व लोक कलाओं का परिचय।

			● भाषा में प्रचलित शब्द युग्मों में परिवर्तन करना जैसे आगे-पीछे का पीछे-आगे आदि । ● स्वतंत्रता दिवस पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास		सक्षम होंगे	
3	**पाठ. 5** **मिठाईवाला** (भगवती प्रसाद वाजपेयी)	**कहानी/ एक फेरीवाले की**	● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे- **मिठाई** और **वाला** मिलकर **मिठाईवाला** बनते हैं। इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण ● भाषा में प्रचलित शब्द युग्मों में परिवर्तन करना जैसे आगे-पीछे का पीछे-आगे आदि । ● फेरीवाले पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास ● लिंग, वचन- पहचान और प्रयोग	● कहानी विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल आदर्श वाचन की कोशिश करेंगे, ● फेरीवाले की दिनचर्या, उनकी समस्याएँ आदि को समझ सकेंगे, ● फेरीवाले के महत्त्व को समझ पाएँगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंदनापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं । अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।	● कार्यपत्रक सं. 14-15 ● फेरीवालों के प्रति जिज्ञासु होते हुए उनके बारे में जानने की कोशिश ● प्यार बाँटने से बढ़ता है इस विषय पर तर्क कर सकते हैं । ● 'मानवीयता का गुण' विषय पर चार्चा व अनुच्छेद लेखन।
4	**पाठ. 7** **पापा खो गए** (विजय तेंदुलकर)	**नाटक/ बाल-मनोविज्ञान** निर्जीव वस्तुओं और	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** विराम चिह्न :पहचान **का. सं.**	● 'नाटक' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा से परिचित होंगे, ● एकांकी/ लघुनाटिका शब्द से परिचित होंगे,	● हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर	● कार्यपत्रक सं. 16-21 ● संवाद लेखन : दो या दो से

		सजीव जीवों के चरित्र के माध्यम से बाल-मनोविज्ञान को दर्शाता मनोरंजक नाटक	**112 A,** विलोम शब्द:पहचान **का. सं. 135A** **कक्षा 6** विलोम शब्द :प्रयोग **कक्षा 7** पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● विराम चिह्नों का वाक्य में प्रयोग ● विलोम शब्दों का वाक्य में प्रयोग ● अपनी किसी वस्तु के खोने की सूचना देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र	● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● नाटक के विभिन्न तत्व यथा पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि से परिचित होंगे, ● संवाद के माध्यम से वाचन कौशल को समृद्ध कर सकेंगे, ● अपनी कल्पनाशक्ति का विस्तार कर सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंदनापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	अधिक निर्जीव वस्तुओं के बीच कल्पना पर आधारित संवाद लेखन

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 15 सितम्बर 2023 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है , शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक “बाल महाभारत” कक्षा-7 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं। गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

मध्यावधि परीक्षा

	पाठ संख्या और नाम	विधा/ विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
5	**पाठ.10** **अपूर्व अनुभव** (तेत्सुको कुरियानागी)	**संस्मरण (जापानी)/ संवेदना** दिव्यांग बच्चे के पेड़ पर चढ़ने के सपनों को पूरा करने की संस्मरणात्मक कहानी	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** नए शब्द जोड़कर शब्द निर्माण **कक्षा 6** उपसर्ग और प्रत्यय :पहचान **कक्षा 7** उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा नए शब्दों का निर्माण, पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● संख्यावाची शब्द जैसे- द्विशाखा , त्रिकोण आदि की जानकारी ● आना प्रत्यय से शब्द निर्माण ● दिव्यांग जनों के प्रति हमारा नजरिया विषय पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास	● संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का सम्मान कर सकेंगे, ● दिव्यांग मित्रों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करेंगें, ● अन्य देशों और भाषाओं के साहित्य से परिचित होंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। ● किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र,इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसेकविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	अनुभवों को साझा करवाना ।
6	**पाठ.11** **रहीम के दोहे**	**दोहे/भाषा और संस्कृति**	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6**	● दोहा विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं ।	● कार्यपत्रक सं. 30,32 विद्यालय और

	(रहीम)	जीवन जीने की कला को समझाते हुए रहीम के प्रसिद्ध दोहों का संकलन	तत्सम और तद्भव शब्द: पहचान **कक्षा 7** तत्सम और तद्भव शब्द: पहचान और उनका वाक्य प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● ब्रजभाषा या आँचलिक भाषा के शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप ● वर्णों की आवृत्ति वाले वाक्य ● रहीम के दोहों का सस्वर पाठ कराया जाय। ● जीवन मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश / पद्यांश का अभ्यास	कोशिश करेंगे, ● पाठ में दिए गए रहीम के दोहों का अर्थ समझ सकेंगे, ● प्रत्येक दोहे में सन्निहित भाव एवं सीख से परिचित होंगे, ● सच्ची मित्रता की कसौटी को जान सकेंगे, ● वास्तविक लगाव को समझ पाएँगे, ● परोपकार की भावना को सोदाहरण समझ पाएँगे, ● सहनशक्ति और उदारता की भावना को सोदाहरण समझ पाएंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके और एकता/सामूहिकता पर बातचीत करना। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। ● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे	घर के मित्रों के बारे में जानकारी एकत्र करते हुए एक सुंदर स्क्रैप-बुक का निर्माण ● सह-अस्तित्व के मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास ● आपसी सद्भाव एवं भाईचारा की प्रवृति का विकास आपसी सद्भाव एवं भाईचारा से संबंधित विषय पर पत्र, निबंध या अनुच्छेद लेखन। ● रहीम के दोहों का स्क्रैप बुक में संकलन।

7	**पाठ.13 एक तिनका - अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**	**कविता / सबका अस्तित्व होता है व कोई वास्तु छोटी व हीन नहीं है।**	● **मैं** से निकलकर **हम** की भावना का विकास ● सह-अस्तित्व के मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश / पद्यांश का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/ निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास ● छोटे से तिनके के महत्त्व को भी समझना	● कविता विधा से परिचित होंगे, ● भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, ● सह अस्तित्त्व की भावना से परिचित होंगे ● **"मैं"** के घमंड की पहचान करते हुए **हम** की भावना को समझ सकेंगे, ● आपसी सद्भाव एवं भाईचारा की प्रवृति का विकास	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना	● कविता में क्या शिक्षा मिलती है चर्चा कीजिये और ऐसा सन्देश देने वाले दोहे एकत्र करिए
8	**पाठ.14 खानपान की बदलती तस्वीर प्रयाग शुक्ल**	**निबंध / खानपान एवं रहन-सहन में हो रहे परिवर्तन खानपान की बदलती संस्कृति पर विमर्श**	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** **पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** देशज अथवा आंचलिक शब्दों से परिचित **कक्षा 7** तत्सम और तद्भव शब्द: पहचान और उनका वाक्य प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- ● आँचलिक भाषा के शब्दों के	● निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● इस व्यवहार विषयक पाठ के माध्यम से खानपान एवं रहन-सहन में हो रहे नित नए परिवर्तनों के बारे में जान सकेंगे, ● खानपान की उपयोगिता और हमारे जीवन के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, ● खानपान की क्षेत्रीय संस्कृति	● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना। ● अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे-कविता, कहानी, निबंध आदि। ● खानपान का संसकृति के प्रचार-प्रसार व सौहार्द बढ़ाने में योगदान।	● **खानपान** पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास। ● **स्कैन ब्रेक विषय पर चर्चा** 'जैसा अन्न वैसा मन' विषय पर अनुच्छेद लेखन।

			प्रचलित हिंदी रूप ● वर्णों की आवृत्ति वाले वाक्य का प्रयोग ● पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे- **खान** और **पान** मिलकर **खानपान** बनते हैं। इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण ● भाषा में प्रचलित शब्द युग्मों में परिवर्तन करना जैसे आगे-पीछे का पीछे-आगे आदि।	आज वैश्विक हो गई है, इस विषय के बारे में जानेंगे, ● भोजन की कमी से होनेवाली परेशानियों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, ● समय के साथ-साथ खानपान मे आने वाली परिवर्तनों के बारे में जान सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,		
9	**पाठ.15** **नीलकंठ** (महादेवी वर्मा)	**रेखाचित्र/संवेदना** नीलकंठ और राधा नामक मोर और मोरनी का रेखाचित्र जिसमें दोनों के जीवन के बहुआयामी रंगों को दर्शाया गया है। पक्षियों के भाव संसार प्रेम व अन्य चेष्टाओं से परिचय, पक्षियों व पशुओं से	● एक शब्द से अन्य शब्दों का निर्माण जैसे- 'रूप' शब्द से कुरूप , स्वरुप, बहुरूप आदि शब्द। ● पाठ में दी गई संधि का अभ्यास ● मुहावरों के अर्थ , उनका वाक्य प्रयोग ● मोहल्ले में घूम रहे आवारा पशुओं के उचित रख-रखाव की व्यवस्था हेतु नगर निगम के अधिकारी को पत्र	● 'रेखाचित्र' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, ● चिड़ियों के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, ● विभिन्न चिड़ियों के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे,	● विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं। ● विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं। विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक	समूह चर्चा: पशु/पक्षियों को घर में पालना सही या गलत? महादेवी वर्मा के अन्य संस्मरण पढ़ने हेतु दिए जा सकते हैं।

		संवेदना		● पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होंगे, ● राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में अधिक जिज्ञासु होकर उनसे सम्बंधित जानकारियाँ एकत्रित कर सकते हैं, ● मनुष्य और पक्षियों के बीच के अंतरसम्बन्धों को जान सकेंगे, ● कल्पनाशीलता विकसित होगी, ●पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। ● किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र,इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसेकविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2024 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है , शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक “बाल महाभारत” कक्षा-7 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है। गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

वार्षिक परीक्षा